संसार में देव,धर्म और गुरु से जो दूर है वह सबसे बड़ा दरिद्र है : आचार्य विशुद्ध सागर

प्रदीप जैन, रायपुर। विशुद्ध वर्षायोग 2022 के लिए सन्मति नगर फाफाडीह रायपुर में मंगलवार को चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ उपस्थिति में चातुर्मासिक कलश की स्थापना हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राज्यपाल अनुसुईया उइके ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशुद्ध सभागृह का उद्घाटन महावीर प्रसाद, राजकुमार बाकलीवाल परिवार ने किया। ध्वजारोहण चातुर्मास शिरोमणि संरक्षक सुधीर कुमार रितेश,मितेश, अरिहंत एवं समस्त बाकलीवाल परिवार ने किया। मुख्य अतिथियों को आचार्य श्री के हस्तलिखित शास्त्र भेंट किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे साथ ही विधायक कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर सहित सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर व अन्य राज्यों व विदेश से भी समाज के लोग बड़ी संख्या में धर्म लाभ लेने पहुंचे हैं।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि संसार में देव धर्म व गुरु की शरण से जो दूर है, उससे बड़ा कोई दरिद्र नहीं होता। गिरता पत्ता डाल पर हरे पत्ते को देख ले तो उसको शांति से गिरना अच्छा लगता है, वह संतुष्ट होता है मैं अवश्य जा रहा हूं लेकिन डाली खाली नहीं होगी। कुछ लोग अपनी बात रखना जानते हैं, तो कुछ लोग अपनी बात रखे रहते हैं,जो बहुत गहरी होती है। जो रखना जानते हैं वे सफल होते हैं। कोरोना काल में सबसे ज्यादा वे परेशान हुए थे,जो लोग रोज कमाकर खाते थे । वे लोग कभी परेशान नहीं हुए जो संजो कर रखते हैं। रखी वस्तु सदैव काम में आती है। जितने भगवान बने हैं,जितने भगवान बनेंगे रखी वस्तु से ही बनते हैं। जो-जो परमात्मा बना है,जो जो परमात्मा बनेगा जो परमात्मा बन रहे हैं वे रखी वस्तु से ही बनते हैं। ये पूर्व के पुण्य के कारण ही संभव है। चैतन्य धातु ना होती तो भगवान कैसे बनते। आचार्य श्री ने कहा कि भगवान ने हमारे बारे में जाना है,उससे हम सभी अज्ञान है। लेकिन तुम्हारे जीवन में क्या-क्या हुआ है,उससे तुम अज्ञान नहीं हो। अपनी करतूतों से कौन अज्ञान है। चेष्ठ मत करो भुलाने की कि मैंने क्या-क्या किया है। बस अपने ह्रदय को बता देना कि तुमने क्या-क्या नहीं किया है। अगरबत्ती की लकड़ी पर कोई सुगंध नहीं है,जो सुगंध है वह उसके मसाले की है। ऐसे ही आपको जो यश दिखाई दे रहा है, यह आपका नहीं है। यशाकृति कर्म का उदय है। मत मुस्कुराओं कि लोग मुझे पूछ रहे हैं, तुम्हें कोई तुम्हें कोई नहीं पूछ रहे। जिसे पूछा जा रहा है वह पुण्य का मसाला है।

कलश स्थापना दिवस पर आज आचार्य श्री सहित सभी संतों ने निर्जला उपवास किया। इनमें 5 मुख्य कलश सहित 24 अक्षयनिधि कलश थे जिन्हें चातुर्मास कलश की स्थापना विधि विधान पूर्वक की गई।

जैन धर्म हमें समानता, आत्म नियंत्रण,त्याग और सदाचरण की शिक्षा देता है : राज्यपाल

राज्यपाल अनुसुईया उइके ने विशुद्ध वर्षा योग 2022 के चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम में शामिल होकर पूरे प्रदेशवासियों की ओर से दिगंबर जैन संत आचार्य विशुद्ध सागर महाराज और सभी संतों को नमन किया। राज्यपाल ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि जैन संत आचार्य विशुद्ध सागर ससंघ छत्तीसगढ़ की धरा में पधारे हैं और यहां पर चतुर्मास कर रहे हैं। जैन धर्म हमें समानता, आत्म नियंत्रण, त्याग और सदाचरण की शिक्षा देता है। राज्यपाल ने कहा कि उनका आरंभिक जीवन में भी जैन समुदाय के प्रबुद्धजनों से सतत संपर्क रहा। मैंने महसूस किया कि उनके जीवन शैली में महावीर स्वामी की शिक्षा प्रदर्शित होती है। जब किसी समाज में किसी भी प्रकार की आपदा संकट की स्थिति आती है, जैन समाज सदैव सामने आता है और खुले मन से दीन दुखियों की मदद करता है। वे किसी भी पद पर हो या धन-धान्य से परिपूर्ण हो परंतु जब समाज को उनकी जरूरत होती है तो वह बड़ा से बड़ा त्याग कर समाज के लिए कार्य करते हैं। उनकी ही सेवा भावना के कारण ही वे समाज में निरंतर प्रगति कर रहे हैं और हर क्षेत्र में ऊंचाइयों पर स्थापित हुए हैं। यह सर्वविदित है कि जैन संत और उनके अनुयाई महावीर स्वामी द्वारा बताए गए सिद्धांतों को जीवन में उतारते हैं और उसी के अनुसार आचरण करते हैं। वे सदैव अहिंसा के मार्ग पर चलते हैं। जीव हत्या ना हो इस पर विश्वास करते हैं और उसके अनुसार ही कार्य करते हैं। आज चतुर्मास की स्थापना के साथ चतुर्मास का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इस चतुर्मास के दौरान किए गए कर्म और विभिन्न धार्मिक क्रियाओं से आसपास के वातावरण में शुद्धता आती है और शांति और सदविचारों का वातावरण निर्मित होता है। साथ ही समाज के लोगों को यह संदेश मिलता है हम अपने जीवन को किस प्रकार अच्छे कार्यों पर लगाएं जिससे पूरे प्रदेश में शांति खुशहाली और भाईचारे का वातावरण निर्मित हो।

शाश्वत तीर्थ शिखरजी के संरक्षण, संवर्धन के साथ आदिवासियों के विकास में मील का पत्थर साबित हुई है सम्मेद शिखर विकास समिति

विकास जैन, पवा । श्री सम्मेद शिखर जी विकास समिति की साधारण बैठक उ. प्र. प्रकाश भवन के सभागार में पी.एन.सी इंफोटेक के चेयरमैन श्री प्रदीप जैन (आगरा) के मुख्य अतिथि एवं जवाहरलाल जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी के विकास संरक्षण संवर्धन पर चर्चा के साथ नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के पूर्व ध्वजारोहण श्री राजीव जैन (दिल्ली) ने किया। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली, बंगाल व मध्य प्रदेश आदि प्रांतों से अनेक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

समिति के संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष श्री विजय जैन ने वर्ष 1996 से क्षेत्र से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए स्व. प्रकाशचंद जैन, राजेंद्र किशोर जैन अलीगढ़ व जयनारायण जैन मोंठ के योगदान का स्मरण किया और विगत 26 वर्षों की विकास यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डालाते हुए उन्होंने कहा कि हमने न केवल प्रकाश भवन/ धन्यश्री लाल भवन बनाया बल्कि यहां के जैनेतर लोगों की शिक्षा, व्यवसाय व भीख मांगने की प्रवृत्ति को भी खत्म किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया समूह के साहू श्री अशोक जैन का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि 'मैंने पहले ही कहा था कि शिखरजी के विकास के लिए जैन ब्यूरोक्रेट, अच्छे दानवीर, उद्योगपति व जनप्रतिनिधियों का शिखरजी यात्रा करना आवश्यक हैं' और समय के साथ यह तस्वीर उभरते हुए हमने देखी हैं। पारस विद्या योजना और लघु उद्योग की चर्चा करते हुए उन्होंने जैन समाज के लोगों से अपने बच्चों को नौकरी में ना भेजकर उद्यम में महारत हासिल करने को जरूरी बताया।

मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन पी. एन. सी. ने उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन द्वारा यात्री हित में की जा रही सेवाओं की प्रशंसनीय बताते हुए कहा कि अब यह उत्तर प्रदेश प्रकाश भवन नहीं बल्कि भारत प्रकाश भवन होता जा रहा है एन. आर. आई. की पसंद और आई. एस.ओ. लेने से यह भवन पूरे विश्व में कीर्तिमान अर्जित कर रहा हैं। दैनिक परिवार झांसी व निर्माण क्षेत्र के संपादक प्रवीण कुमार जैन ने कहा कि उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन की सफलता और तीर्थ संरक्षण में योगदान एक टीम भावना का प्रतिफल है, संगठन में शक्ति होती है यह सम्मेद शिखर विकास समिति के माध्यम से सिद्ध होती हैं।

निर्माण क्षेत्र के प्रधान संपादक श्री सुमित कुमार जैन सासनी के विकास की लंबी यात्रा पर विहंगम प्रकाश डालते हुए इसके उत्तरोत्तर

विकास की कामना की। समिति के अध्यक्ष श्री जवाहरलाल जैन (सिकंदराबाद) ने कहा कि उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन में एक मंजिला और बनाई जाएगी इसका नक्शा बन चुका है जल्द ही इस कार्य को पूर्ण कल लिया जावेगा। निर्माण क्षेत्र पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि प्रदीप जैन, विजय जैन अहमदाबाद, सुमित जैन सासनी, प्रवीणकुमार जैन झांसी, मीनू जैन दिल्ली, प्रवीण जैन लोनी व जीवेन्द्र जैन गाजियाबाद ने किया। भव्य आयोजन में उपस्थित दानवीरो को तिलक लगाकर सम्मान कर प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए कार्यक्रम के प्रारंभ में चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन श्री विजय जैन हरदुआगंज ने किया। सभा का संचालन पूर्व अध्यक्ष जीवेन्द्र जैन मेरठ ने किया व प्रगति आख्या के साथ आभार ज्ञापन महामंत्री श्री एम. एस. जैन मेरठ ने किया प्रकाश भवन के प्रबंधक श्री सुजीत व इंद्रदेव आदि ने व्यवस्थाओं को भलीभांति अंजाम दिया।

तीर्थराज सम्मेदशिखर के संरक्षण, संवर्धन एवं तीर्थ के विकास मे हुआ ऐतिहासिक फैसला...

साधना महोदधि, उभय मासोपवासी अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ने गुरु पूर्णिमा पर सम्पूर्ण जैन समाज कों दिया विशेष उपहार – अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज जो की सिंहनीस्किड़त व्रत की 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना मे शिखर की स्वर्ण भद्र टोंक पर साधनारत है गुरु पूर्णिमा के पवित्र, पावन प्रसंग पर अंतर्मना गुरुदेव के आशीर्वाद व सानिध्य मे जैन समाज के सबसे महानतीर्थ शास्वत तीर्थ शिखरजी के संरक्षण व विकास के लये दिगम्बर और श्वेताम्बर जैन समाज के मध्य ऐतिहासिक समझौता हुआ। श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी और जैन श्वेताम्बर सोसायटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति मे सभी आवश्यक निर्णय लिए गये । अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के आशीर्वाद व प्रेरणा से दोनों ही कमेटियों ने अपने सभी वैधानिक विवादों को वापस लेने पर सहमति प्रदान कर भविष्य मे प्रेम, मैत्री, सदभाव, समन्वय के साथ तीर्थ के संरक्षण व विकास के लिए कदम से कदम मिलाकर साथ कार्य करने का संकल्प लिया ।